कृतिका भाग 2 (कक्षा 10)

महत्वपूर्ण एवं बोर्ड परीक्षा के प्रश्न (RBSE 2020-2026)

Schorbit

पाठ 1: माता का अँचल

प्रश्न 1: पाठ में बच्चों के जो खेल बताए गए हैं, वे आज के खेलों से किस प्रकार भिन्न हैं?

RBSE 2020

RBSE 2024

पाठ में बच्चे धूल, मिट्टी, कंकड़, दीये और पत्तों जैसी प्राकृतिक चीज़ों से खेलते थे। उनके खेल में सामूहिक भागीदारी होती थी जैसे खेती करना, बारात निकालना और मिठाई की दुकान लगाना। इसके विपरीत, आज के खेल अधिकतर मोबाइल, कंप्यूटर या महँगे इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों तक सीमित हो गए हैं, जो बच्चे अकेले कमरों में बैठकर खेलते हैं। आज के खेलों में पहले जैसी स्वच्छंदता और प्रकृति से जुड़ाव नहीं है।

प्रश्न 2: भोलानाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री आपके खेल और खेलने की सामग्री से किस प्रकार भिन्न है?

RBSE 2022

Most Important

भोलानाथ और उसके साथी मिट्टी के ढेलों से मिठाई, दीये से तराज़ू और टूटी फूटी चीज़ों से दुकान बनाते थे। उनकी खेल सामग्री प्राकृतिक, सुलभ और मुफ्त थी, जो उनकी रचनात्मकता (Creativity) को बढ़ाती थी।
परन्तु आज हमारी खेल सामग्री प्लास्टिक के महंगे खिलौने, रिमोट कंट्रोल कारें, वीडियो गेम और मोबाइल ऐप्स हैं। ये खेल सामग्री बाज़ार से खरीदी जाती है और यह बच्चों को प्रकृति और बाहरी दुनिया से दूर कर देती है।

प्रश्न 3: बच्चे विपदा (साँप के डर) के समय पिता के पास न जाकर माँ की शरण क्यों लेते हैं?

RBSE 2023

RBSE 2026

पिता बच्चों को अपार स्नेह दे सकते हैं और उनके साथ खेल सकते हैं, लेकिन शिशु के लिए **ममता, सुरक्षा और सांत्वना** का सबसे बड़ा प्रतीक 'माँ का आँचल' होता है। जब भोलानाथ साँप को देखकर बुरी तरह डर गया, तो उसे एक ऐसी जगह चाहिए थी जहाँ उसे आत्मीय सुरक्षा मिल सके। माँ के शरीर का स्पर्श और उसका ममतामयी आँचल बच्चे के हृदय को तुरंत शांत कर देता है, इसीलिए वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है।

Schorbit